Regarding need to set up a heritage museum at Lauria in Bihar-laid

श्री सुनील कुमार **(**वाल्मीकि नगर**):** मैं सरकार का ध्यान वाल्मीकिनगर लोकसभा अंतर्गत अवस्थित ऐतिहासिक विरासतों को एक स्थान पर संग्रहित करने के संबंध में आकृष्ट कराना चाहता हूँ । वाल्मीकिनगर राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की कर्म भूमि रही है, गौनाहा प्रखंड के भितिअरवा आश्रम में सत्याग्रह के समय कई महीनो तक इस आश्रम में रहे थे । गौनाहा के ही रमपुरवा में भगवान बुद्ध से जुड़े अवशेष पाए जाते है । लौरिया प्रखंड के नंदनगढ़ तथा नरकटियागंज के चानकीगढ़ में नंद वंश तथा चाणक्य के द्वारा बनाए गए महलो के अवशेष है जो अब एक टीले के रूप में परिवर्तित हो चुके है । नंदनगढ़ टीले को भगवान बुद्ध के अस्थि अवशेष पर बना स्तूप भी कहा जाता है, नंदनगढ़ से 1 किलोमीटर की दूरी पर लौरिया में 2310 वर्ष पुराना सिंह के शीर्ष वाला अशोक स्तंभ है । वाल्मीकिनगर को भगवान श्री राम के पुत्र लव कुश के जन्मस्थली के रूप में भी जाना जाता है । मैं सरकार से मांग करता हूँ कि लौरिया जो वाल्मीकिनगर का केंद्र स्थान है यहाँ पर एक चंपारण संग्राहालय का निर्माण कराया जाए, जिसमे यहाँ के प्रसिद्ध धरोहरों को यहाँ आने वाले पर्यटकों के लिए प्रदर्शित किया जा सके ।